LOK SABHA

Tuesday, December, 10 1974/ Agrahayana 12, 1896 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

RE: SUSPENSION OF QUESTION HOUR

श्री जनेश्वर मिश्र (कन्नौज) : मेरा व्यवस्था का प्रश्न है (**व्यवधान**) क्वेश्चन आवर या कोई भी कार्रवाही चलाना चाहेंगे तो काम चलने वाला नहीं है। मैं बड़े ही अदब के साथ आपको निवेदन करना चाहता हूं कि जो गम्भीर मामला मावलंकर जी उठाना चाहते है, उसका पहले आप स्पष्टीकरण दे दें। हम समझते हैं कि हम लोग जितनी गम्भीरता से इस चीज को ले रहे हैं उससे ज्यादा आप गम्भीरता से ले रहे होंगे। यह सदन के सम्मान का सवाल है और हम लोगों के तथा आप लोगों के भी सम्मान का सवाल है (**इंटरप्शंस**) कल जिस तरह से प्रोसीडिंग्ज चली हैं और जिस तरह से हम लोगों को तथा सदन को प्रधान मंत्री ने इगनोर किया उस हालत में क्वेश्चन आवर कैसे चल सकता है, कोई भी कार्रवाई कैसे चल सकती है। नहीं चल सकती है। इसलिए हमारा आप से निवेदन है कि आप क्वेश्चन आवर को ससपेंड करें और माननीय मावलंकर जी ने आप को जो नोटिस दिया है कि क्वेश्चन आवर को आप ससपेंड करें उसको आप लें और क्वेश्चन आवर को ससपेंड करें। उसके बारे में आप स्पष्टीकरण दीजिये ...(**इंटरप्शंस**) मैं उलझना नहीं चाहता हूं। मैं निवेदन कर रहा हूं अदब के साथ। शायद कोई रास्ता अब भी निकल सकता है। स्पष्टीकरण जरूरी है सदन की कार्रवाही जबर्दस्ती आप चलाना चाहते हैं अपने बहुमत के बल पर चलाना चाहते है तो यह चल नहीं पाएगी ..(**व्यवधान**).. मैं उलझना नहीं चाहता हूं। मैं निवेदन कर रहा हूं। मेरे निवेदन को आप उलझना मान रहे है...

अध्यक्ष महोदय : क्वेश्चन आवर के बाद...

श्री जनेश्वर मिश्र :क्वेश्चन आवर के बाद कैसे चलेगा। क्या यहां लफ्फाजी और गप्पबाजी चलेगी ? क्या इसलिए हाउस बना है ? मुल्क में भ्रष्टाचार फैला रहे लोगों को खाना न मिले और यहां आप क्वेश्चन आवर जबर्दस्ती चलाते रहें, कार्रवाही चलाते रहें, यह नहीं हो सकता है। मावलंकर साहब ने जो नोटिस दिया है उस पर आप व्यवस्था दे दिजिये क्वेश्चन आवर को ससपेंड करें और उसके बाद दूसरी कार्रवाही आप ले ? हम लोग आपके साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं आपका सम्मान हम लोगों के मन में बहुत है....

अध्यक्ष महोदय : मैंने एसी नहीं कहा है क्वेश्चन आवर को ससपेंड करना। ऐसे मोशन को लाना भी गलत है।

श्री जनेश्वर मिश्र :हमने मजबूर होकर ही ऐसा किया है। गम्भीर इसको समझा है इस वास्ते मजबूर होकर ऐसा हम कर रहे हैं। हम लोगों को यदि मजबूर किया है तो इन लोगों ने किया है..

अध्यक्ष महोदय : पार्लिमट में अगर फैसले इस आधार पर करने हैं कि कौन ज्यादा शाउट करता है तो बहस की क्या जरूरत है रूल्ज की क्या जरूरत है। अगर मसले शोर मचा कर ही हल करने हैं तो बहस की क्या जरूरत है . . .

SHRI P. G. MAVALANKAR (Ahmedabad): Sir, I have already written to you about this

MR SPEAKER: I am sorry I do not agree to it.

SHRI P. G. MAVALANKAR: I want the proceedings of this House to go on as fast as possible. But the reason why I requested for your permission to raise this matter even before the Question Hour started was this. Yesterday, after the statements of the Prime Minister and Shri Morarji Desai, whatever happened subsequently was drowned in shouts and counter-shouts and yet many things have gone on record as if they were done in the House. But none of us has been able to understand what exactly happened After lunch, a series of points of order were raised and the Deputy Speaker was pleased to remark that there were some silver linings in the various points made by members from both sides. We are now waiting for some kind of clarification regarding the Prime Minister's statement We want to know whether after the documents are made available to the leaders of the opposition and other people, they will be free to raise this matter for some action and suggest a definite kind of parliamentary probe. This should be clarified either by the Minister of Parliamentary Affairs or somebody else.

MR. SPEAKER: I am sorry i I am not agreeing to this motion for the postponement of Question Hour. Shri Madhukar.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Loot and Plunder of Railway Property in Grand Chord Section

*392. SHRI K. M. 'MADHUKAR': Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to the recent incidents of loot and plunder of Railway property in Grand Chord section of Dhanbad Division in Eastern Railway;

(b) if so, the facts thereof; and

(c) the action taken by Government?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI BUTA SINGH): (a) to (c). A statement is laid on the Table of the Sabha

STATEMENT

(a) There has not been any case of loot and plunder of railway property in the Grand Chord Section of Dhanbad Division on Eastern Railway during 1974 upto 5-12-1974.

(b) and (c). Do not arise. However, to prevent thefts and pilferages in the Grand Chord section following measures are taken:

(i) Almost all goods trains, particularly those carrying valuable consignments, are being escorted in the vulnerable portion of this Section i.e., between Gaya and Gomoh and *vice-versa*.

(ii) Pickets and Patrols are being deployed frequently, keeping an element of surprise for the criminals, at way-side stations of this Section like, Parasnath, Nimia Ghat, Gurpa, Gulhandi and Bandhue.

(iii) Frequent raids and searches are conducted by Railway